एवरशाइन

मानक हिंदी व्याकरण

वेद प्रकाश

2

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यक्रम और नई शिक्षा नीतियों के अनुसार

प्रकाशक

एवरशाइन पब्लिशर्ज़

SONI HOUSE, WZ-348, Nangal Raya, New Delhi-110046
Mobile No. : 9560408043, 9868877950, Fax : 28112353
E-Mail : evershinepub@gmail.com

© सर्वाधिकार प्रकाशकाधीन

Printed at : Sheel Packers

भूमिका

प्रत्येक प्राणी अपने मन के विचारों को प्रकट करने के लिए किसी न किसी भाषा का प्रयोग करता है । व्याकरण भाषा के शुद्ध बोलने, लिखने और पढ़ने का ज्ञान कराता है । प्राथमिक कक्षाओं में ही बच्चे, भाषा सीखना आरम्भ करते हैं । बच्चों को ही केन्द्र मानकर इस पुस्तक में सरल एवं सहज भाषा का प्रयोग किया गया है जो कक्षा पहली और दूसरी के लिए उपयोगी सिद्ध होगी । इस प्रयास के माध्यम से बच्चों को उनके मानसिक स्तर तथा रुचि अनुसार, व्याकरण तथा रचना सम्बन्धी आवश्यक नियमों को समझाना ही हमारा प्रमुख लक्ष्य है ।

विभिन्न राज्यों के शिक्षा विभागों, एस. सी. ई. आर. ट. तथा एन. सी. ई. आर. टी. के नवीन पाठ्यक्रम तथा विशिष्ट शिक्षा पद्धिती के आधार पर इस पुस्तक को तैयार किया गया है ।

पुस्तक के पहले भाग में – व्याकरण के मूल सिद्धान्तों और नियमों को सरल भाषा में समझाया गया है । दूसरे भाग में – कुछ पत्र, निबंध और कहानियों के सचित्र नमूने दिए गए हैं जो बच्चों की ज्ञान-वृद्धि के साथ-साथ मनोरंजन भी करते हैं ।

यद्यपि व्याकरण को बोझिल, नीरस तथा शुष्क माना जाता है, किन्तु हमनें यह भरपूर प्रयास किया है कि इसे सरस एवं सुबोध बनाया जाय ।

इस पुस्तक को तैयार करते समय हमनें बच्चों के आयु-वर्ग एवं बुद्धि-स्तर आदि का भी विशेष ध्यान रखा है ।

हम, शिक्षक तथा अभिभावकों के उपयोगी सुझावों का सहर्ष स्वागत करते हैं । हमें पूर्ण विश्वास है कि शिक्षकों की देख-रेख में विद्यार्थी इस पुस्तक का पूर्ण उपयोग कर सकेंगे ।

लेखक

विषय-सूची

क्रम	विषय	पृष्ठ संख्या
1.	भाषा (Language)	5
2.	वर्ण (Alphabet)	7
3.	मात्रा (Vowel's Sign)	9
4.	शब्द और वाक्य (Word and Sentence)	12
5.	संज्ञा (Noun)	14
6.	सर्वनाम (Pronoun)	16
7.	लिंग (Gender)	18
8.	वचन (Number)	20
9.	विलोम शब्द (Antonyms)	23
10.	पर्यायवाची शब्द (Synonyms)	26
11.	अनेक शब्दों के लिए एक शब्द (One Word Substitution)	28
12.	पशु-पक्षियों की बोलियाँ (Sounds of Animals and Birds)	30
13.	दिन, महीने और ऋतुएँ (Days, Months & Seasons)	31
14.	शब्दों के शुद्ध रूप (Correct Spellings of the Words)	32
15.	मुहावरे (Idioms)	34
16.	पहेलियाँ	36
17.	निबन्ध-लेखन (Essay Writing)	37
18.	पत्र-लेखन (Letter Writing)	41
19.	कहानी-लेखन (Story Writing)	44

1 भाषा (LANGUAGE)

माँ अपने स्कूल जाते बच्चों को सड़क पर चलने के नियमों को बोल कर समझा रही है । बच्चे भी बड़े ध्यान से माँ की बात को समझ रहे हैं ।

बोलकर हम अपनी बात दूसरों तक पहुँचा सकते हैं । हम्मे भाषा का एक रूप कहते हैं ।

प्रतिभा अपने नानाजी को पत्र लिख रही है । वह परीक्षा में पास हो गई है । नानाजी जब पत्र पढ़ेंगे तो वे बहुत ही खुश होंगे ।

हम अपने मन की बात लिखकर भी दूसरों तक पहुँचा सकते हैं । यह भाषा का दूसरा रूप है ।

हम सब बोल कर या लिख कर अपने मन के भावों को प्रकट करते हैं ।

मन के भावों को समझने तथा समझाने के साधन को भाषा (Language) कहते हैं ।

हमारे देश में पंजाबी, बंगाली, उर्दू, अंग्रेजी, संस्कृत, तमिल, मराठी, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम आदि अनेक भाषाएँ बोली जाती हैं ।

हिन्दी हमारी राष्ट्र भाषा है । हिन्दी की लिपि देवनागरी है ।

बच्चो, हमें भाषा के शुद्ध रूप को समझने के लिए व्याकरण की आवश्यकता पड़ती है । व्याकरण से ही हमें पता चलता है कि कौनसा शब्द या वाक्य शुद्ध है, कौन सा अशुद्ध है ।

व्याकरण हमें भाषा को शुद्ध बोलने, लिखने और पढ़ने का ज्ञान कराता है ।

छोटे बच्चे परिवार में सुनकर बोलना सीख लेते हैं । किन्तु भाषा के शुद्ध रूप का प्रयोग नहीं कर पाते ।

हिन्दी न जानने वाले अन्य प्रदेश के लोग हिन्दी का अशुद्ध उच्चारण करते हुए देखे जाते हैं ।

जैसे – लड़की जाता है

गाय दूध देता है

बारीश हो रहा है ।

इन गलतियों का मुख्य कारण है – व्याकरण की जानकारी का ना होना ।

व्याकरण ही हमें शब्द या वाक्य के शुद्ध या अशुद्ध रूप का ज्ञान कराता है ।

व्याकरण वह शास्त्र है जिससे किसी भाषा के शुद्ध बोलने, लिखने और पढ़ने का ज्ञान होता है । व्याकरण भाषा को शुद्ध करता है ।

अभ्यास

नीचे दिए गए शब्दों को शुद्ध करके लिखिए :–

कबुतर	भाशा	चुहा .....
कताब	तमासा	कुमहार .....
पड़ना	इस्कूल	पवीतर .....
साबून		पीताजी .....